Sl. No. :

MHNSC-3.2

Total No. of Pages : 2

Third Semester M.A. Degree Examination, June - 2025

(SLM Scheme) (CBCS)

हिन्दी (HINDI)

Course - V : Vishesh Kavi Tulasidas

प्रश्नपत्र - V : विशेष कवि तुलसीदास

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Note : ***All sections are compulsory.***

SECTION - A

I. किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **[4 × 5 = 20]**

1) अब कहु कुसल बालि कहँ अहही । बिहँसि बचन तब अंगद कहई ।
दस दिन गएँ बालि पहिं जाई । बूझेहु कुसल सखा उर लाई ।।

2) बरुन कुबेर सुरेश समीरा । रण सम्मुख धरि काहु न धीरा ।।
भुजबल जितेहु काल जम साईं । आजु परेहु अनाथ की नाई ।।

3) एहि के हृदयँ बस जानकी जानकी उर मम बास है ।
मम उदर भुवन अनके लागत बान सब कर नास है ।

4) लरत अकास जुगल सम जोधा । एकहि एक हनत करि क्रोधा ।।
सोहहिं नभ छल बल बहु करहीं । कज्जलगिरि सुमेरु जनु लरहीं ।।

5) जय राम सदा सुखधाम हरे । रघुनायक सायक चाप धरे ।।
भव बारन दारन सिंह प्रभो । गुन सागर नागर नाथ विभो ।।

6) सिंधु वचन सुनि राम, सचिव बोलि प्रभु अस कहेउ ।
अब बिलंबु केहि काम, करहु सेतु उतरै कटकु ।।

SECTION - B

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [3 × 10 = 30]

7) लंका कांड के आधार पर 'रावण' के परम ज्ञानी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए ।

8) तुलसीदास के सामाजिक एवं दार्शनिक विचारधाराओं को समझाइए ।

9) तुलसीदास की साहित्यिक साधना पर प्रकाश डालिए ।

10) पंक्ति पद्यांश के आधार पर, तुलसीदास के उपदेशक रूप में परिचित कीजिए ।

11) तुलसीदास के काव्यशिल्प पर एक लेख लिखिए ।

SECTION - C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [2 × 15 = 30]

12) काव्यशास्त्र की दृष्टि से 'लंका कांड' का मूल्यांकन कीजिए ।

13) 'लंका कांड' के प्रकृति चित्रण की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

14) तुलसीदास का व्यक्तित्व और जीवन का उद्देश्य पर एक लेख लिखिए ।

15) 'लंका कांड' की कथावस्तू का विश्लेषण कीजिए ।

⌘⌘⌘